

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1980
दिनांक 11.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

“खेता कढ़ाई को बढ़ावा देना”

1980. डॉ. मोहम्मद जावेद:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) सरकार द्वारा बिहार के किशनगंज क्षेत्र के स्थानीय कारीगरों को सहायता प्रदान करने, उनकी आजीविका के अवसरों में वृद्धि करने तथा सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए यहाँ की पारंपरिक खेता और सुजनी कढ़ाई को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
- (ख) क्या सरकार द्वारा किशनगंज में स्थानीय कारीगरों के लिए कोई वित्तीय सहायता और कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं; और
- (ग) इन विशिष्ट हथकरघा उत्पादों के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर बाजार संपर्क और ब्रांडिंग को प्रोत्साहित करने संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र मंत्री
(श्री गिरिराज सिंह)

(क) और (ख): वस्त्र मंत्रालय के अधीन विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय किशनगंज, बिहार सहित देश भर के हस्तशिल्प क्षेत्र के समग्र विकास और संवर्धन के लिए दो योजनाएं नामशः राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना (सीएचसीडीएस) कार्यान्वित करता है। इन योजनाओं के तहत, विपणन कार्यक्रमों, कौशल विकास, क्लस्टर विकास, उत्पादक कंपनियों का गठन, कारीगरों को प्रत्यक्ष लाभ, इंफ्रास्ट्रक्चर एवं प्रौद्योगिकी सहायता, अनुसंधान एवं विकास समर्थन आदि के माध्यम से कारीगरों को शुरु से अंत तक सहयोग हेतु आवश्यकता आधारित सहायता प्रदान की जाती है जिससे किशनगंज, बिहार के खेता कढ़ाई एवं सुजनी शिल्प सहित पारंपरिक शिल्प लाभान्वित होते हैं। इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक विगत पांच वर्षों के दौरान कौशल विकास के तहत कुल 6 कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक विगत पांच वर्षों के दौरान विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय की विभिन्न वित्तीय सहायता योजनाओं के माध्यम से कुल 290 कारीगर लाभान्वित हुए हैं।

(ग): विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय विपणन सहायता एवं सेवाएं योजना कार्यान्वित करता है जिसके तहत देश भर के कारीगर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों अर्थात् गांधी शिल्प बाजार, प्रदर्शनियों, मेलों, थीमेटिक शो, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, क्रेता-विक्रेता बैठक, रिवर्स क्रेता-विक्रेता बैठक, भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, सूरजकुंड मेला, जी20, भारत टेक्स 2024 आदि में भाग लेते हैं ताकि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों में इन विशिष्ट हथकरघा उत्पादों के लिए बाजार संपर्क और ब्रांडिंग को प्रोत्साहन मिल सके।
